हिंदी विश्व की समृद्ध भाषा है डॉक्टर दिवाकर प्रसाद तिवारी

देवरिया ।। विद्या भारती पूर्वी उत्तर प्रदेश द्वारा संचालित विद्यालय सरस्वती वरिष्ठ माध्यमिक विद्या मंदिर देवरिया खास देवरिया में विश्व हिंदी दिवस पर आज प्रार्थना सभा में कई कार्यक्रम आयोजित किए गए सर्वप्रथम आगंतुक अतिथि डॉक्टर दिवाकर प्रसाद तिवारी पूर्व प्राचार्य दीनानाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय देवरिया विद्यालय प्रबंध समिति में अध्यक्ष श्री अशोक कुमार श्रीवास्तव प्रबंधक श्री मुन्नीलाल शर्मा प्रधानाचार्य श्री अनिरुद्ध सिंह ने मां सरस्वती व भारत माता के चित्र पर दीप प्रज्वलित व पुष्प अर्चन किया अतिथि परिचय विद्यालय के प्रधानाचार्य अनिरुद्ध सिंह ने कराया संचालन हिंदी विभाग प्रमुख आचार्य श्री अक्षयबर पति त्रिपाठी ने किया परिचय उपरांत अतिथि का सम्मान अंग वस्त्र व श्रीफल से किया गया ।इस अवसर पर छात्रों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉक्टर दिवाकर प्रसाद तिवारी ने कहा कि 14 सितंबर 1949 को हिंदी राजभाषा बनाई गई परन्तु इसे राष्ट्रभाषा का दर्जा नहीं मिला 14 सितंबर 1953 को हिंदी के प्रचार प्रसार के लिए विभाग का गठन किया गया इसका कार्य था हिंदी का प्रचार प्रसार करना खास तौर पर दक्षिण भारत में क्योंकि दक्षिण भारत वाले इसका विरोध मात्र इसलिए करते थे की हिंदी उत्तर भारत की भाषा है और इसके प्रचार के बहाने हम पर उत्तर भारत की संस्कृति को थोपा जा रहा है इसके लिए उन्होंने इसका विरोध तो किया परंतु द्वितीय भाषा के रूप में अंग्रेजी के स्थान पर हिंदी को ही रखा ।दक्षिण भारत के लोग आज भी तमिल के बाद हिंदी को जानना चाहते हैं। चालुक्य और कनिष्क ने भी उत्तर भारत की संस्कृति को भाषा के माध्यम से दक्षिण में प्रसार किया । उन्होंने बताया कि जैसे भारत हमारी माता है वैसे हिंदी भी हमारी माता है । एक विद्यार्थी के लिए उसके गुरुजन उसके आचार्य व्याकरण का कार्य करते हैं उन्हें भाषा का ठीक से प्रयोग करना सिखाते हैं हम सबको हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देना चाहिए क्योंकि हिंदी की पाचन शक्ति और ग्राहता बहुत अधिक है आज भी कई भाषाओं के शब्द मिलकर हिंदी को समृद्ध बनाने का कार्य किया जाता है इस अवसर पर विद्यालय में एक निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई यह प्रतियोगिता तीन वर्गों बाल वर्ग,किशोर वर्गतथा तरुण वर्ग में आयोजित की गई। प्रतियोगिता का विषय बाल वर्ग, व्यवहारिक जीवन में देशभक्ति, किशोर वर्ग में समाज जागरण के अग्रदूत स्वामी दयानंद सरस्वती तथा तरुण वर्ग का विषय छत्रपति शिवाजी महाराज राज्यारोहण के सामाजिक राजनीतिक प्रभाव था। निबंध प्रमुख आचार्य श्री उपेन्द्र तिवारी ने बताया कि इस प्रतियोगिता में कुल 122 छात्रों ने प्रतिभाग किया । कार्यक्रम में अध्यक्षीय सम्बोधन में अशोक श्रीवास्तव ने कहा कि हिंदी विश्व की सबसे समृद्ध भाषा जानी जाती है। इसमें संस्कृत पालि विदेशी आदि कई भाषाओं के शब्द मिलते हैं । हम सभी को हिंदी का अधिक से अधिक प्रयोग व प्रचार प्रसार करना चाहिए। विद्यालय के प्रबंधक श्री मुन्नी लाल शर्मा ने आभार प्रकट किया। इस अवसर पर अतिथि डॉक्टर दिवाकर प्रसाद तिवारी, अशोक कुमार श्रीवास्तव, मुन्नीलाल शर्मा, अनिरुद्ध सिंह, अक्षयवर पति त्रिपाठी उपेंद्र तिवारी मनोज कुमार उपेंद्र मिश्रा चंद्र प्रकाश सिंह सहित विद्यालय के समस्त आचार्य एवं छात्र उपस्थित रहे